इंदौर का वो शुद्ध वायु! गंगाबाग कचरे की रात, देखकर होश उड़ेंगे

विषय सूची (Table of Contents):

>> मुख्य अपडेट्स (Key Updates)...
>> गहन विश्लेषण शुद्ध वायु या फटी हुई धारणा?...
>> महत्वपूर्ण प्रश्न और उत्तर...

इंदौर... जिसे देश का सबसे स्वच्छ शहर का ताज मिला था, वही अब असलियत के सामने आज एक अलग ही तस्वीर दिख रही है। जबकि प्रशासन और जनप्रतिनिधि बार-बार शुद्ध वायु और स्वच्छ इंदौर का दावा करते हैं, तो जमीनी हकीकत में गंगाबाग और आईटीआई क्षेत्र में कचरे की लपटों से शहर गुजर रहा है। नौ महीने पहले जो उपलब्धि मिली थी, आज उसका सवाल उठ रहा है कि क्या इंदौर असल में साफ है या फिर सिर्फ चार दीवारों तक सीमित है?

मुख्य अपडेट्स (Key Updates)

>> स्वच्छ वायु का दावा: इंदौर ने CPCB स्वच्छ वायु सर्वेक्षण 2023 में 200 में से 187 अंक बनाकर पहले स्थान पर रखा था।

>> गंगाबाग का सच: शहर का मुख्य गंगाबाग बगीची भारी है। दिनभर यहां कचरा इकट्ठा होता है और लोग उसे जला देते हैं।

>> नालों में कचरा: आसपास के बहुत सारे नालों से कचरा बहकर आता है और बगीची के बीच में फेंक दिया जाता है।

>> आईटीआई क्षेत्र: आईटीआई क्षेत्र में भी गंदगी पसरी हुई है और कचरा जमा है।

>> लोगों की परेशानी: घंटों तक धुआं फैलता है और आसपास के रहने वाले इससे बहुत परेशान हैं।

>> प्रशासन का स्वप्न: जनप्रतिनिधि कहते हैं कि शहर को बेहतर पर्यावरण दिया जाएगा, लेकिन जमीनी हकीकत तो और है।

गहन विश्लेषण: शुद्ध वायु या फटी हुई धारणा?

इंदौर की कहानी अब दो तरफ बढ़ रही है। एक तरफ तो स्वच्छता अभियान की चमक है, दूसरी तरफ कचरे की लपटों से घिरा वायु। जब लोग खुले में कचरा जलाते हैं, तो PM2.5 लेवल तेज़ी से बढ़ जाता है। यह सिर्फ सफाई का मुद्दा नहीं, बल्कि पर्यावरण स्वास्थ्य का सवाल है।

>> वायु प्रदूषण का असर: कचरा जलाने से जमकर धुआं निकलता है जो बच्चों और बूढ़ों की नसों तक पहुंचता है।

>> गंगाबाग का महत्व: यह क्षेत्र पर्यटन और आराम के लिए ज़रूरी है, लेकिन अब यहां कचरे का ढेर लगा है।

>> नालों की स्थिति: बहुत सारे नाले बंद हैं या गंदे हैं, जिससे पानी और कचरा बाहर आता है।

>> लोगों का सहयोग: जब तक लोगों के मन में सफाई की भावना नहीं आएगी, तब तक इंदौर का ताज टिक नहीं।

महत्वपूर्ण प्रश्न और उत्तर

CPCB स्वच्छ वायु सर्वेक्षण 2023में इंदौर ने 10 लाख से अधिक आबादी वाले शहरों में सबसे अच्छा प्रदर्शन किया था। इसमें 200 में से 187 अंक हासिल किए गए थे, जिसके कारण इसे पहले स्थान दिया गया।

कचरा जलाने से जमकरवायु प्रदूषणबढ़ जाता है। इससे PM2.5 लेवल तेज़ हो जाता है जो लोगों की नसों और फेफड़ों को नुकसान पहुंचाता है। इसके अलावा पर्यावरण में भी बहुत बड़ा असर पड़ता है।

प्रशासन और जनप्रतिनिधिशिहर को बेहतर पर्यावरणदेने का दावा कर रहे हैं और प्रयास कर रहे हैं। लेकिन जमीनी हकीकत में कचरे को जलाने पर नज़र नही आ रही है और गंदगी बढ़ रही है।